

## **विषय: मित्र की परख संकट में**

सच्चे मित्र की पहचान सामान्य समय में नहीं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में होती है। जब जीवन में संकट आता है, तब ही हमें यह पता चलता है कि कौन हमारा सच्चा मित्र है और कौन केवल स्वार्थ के लिए साथ है। जो मित्र संकट में भी हमारा साथ नहीं छोड़ता, हमारी मदद करता है, वही सच्चा मित्र कहलाने योग्य होता है। सुख में साथ देना आसान होता है, परंतु दुख में साथ निभाना ही मित्रता की असली परीक्षा होती है। हमें अपने दोस्तों को केवल बातों से नहीं, उनके कर्मों से पहचानना चाहिए। समय के साथ बहुत से लोग बदल जाते हैं, पर सच्चे मित्र वही होते हैं जो हर परिस्थिति में हमारे साथ खड़े रहते हैं।